

DR. SUBRAHMANYAM JAISHANKAR

Dr. Subrahmanyam Jaishankar is a distinguished Indian Foreign Service Officer. He is widely recognized for his leading role in Indian Diplomacy. Currently, he is the President – Global Corporate Affairs, Tata Sons Private Limited. He recently retired after spending more than four decades as an Indian diplomat, completing that career with a three-year tenure as Foreign Secretary. His stewardship of the Indian Foreign Service in this period saw a number of initiatives that enhanced India's standing in the world. He made a personal contribution to strengthening key bilateral relationships and to conceptualizing a foreign policy in tune with contemporary times.

2. Born on January 9th, 1955, Dr Jaishankar received B.Sc Degree from St. Stephen's College, University of Delhi, in 1973. He thereafter, did M.A., M.Phil. and Ph.D. from Jawaharlal Nehru University, New Delhi. He joined the Indian Foreign Service in 1977.

3. Dr. Jaishankar served in Indian missions in Moscow, Washington DC, Colombo, Budapest, Tokyo, Prague, Singapore and Beijing, as well as in the Ministry of External Affairs and the President's Secretariat. He was Ambassador in the Czech Republic, China and the United States and High Commissioner in Singapore.

4. Dr. Jaishankar's association with India's expanding ties with the United States is particularly noteworthy. He was closely involved in initiatives in the domains of strategy, security, atomic energy, high technology, business and civil aviation. His contribution to building a strong networking with the US Congress and Indian diaspora is widely appreciated.

5. Dr. Jaishankar has been India's longest serving Ambassador to China. In that capacity and subsequently as Foreign Secretary, he oversaw the fashioning of the contemporary relationship between the two neighbours. He also had a notable role in implementing the Neighborhood First, Act East and SAGAR policies of the Government. His involvement in recently enhancing the quality of India's ties with Japan, Russia, Europe and the Gulf is recognized.

6. Dr. Jaishankar was the leader of the Indian negotiating team for the successful conclusion of the civil nuclear cooperation agreement with the United States. He similarly led the endeavor that concluded an agreement with Japan. He also served as member of the Atomic Energy Commission and the Space Commission.

7. Dr. Jaishankar is widely known for his writings in the field of international relations. He is a Member of the Nehru Memorial Museum and Library Society, a Trustee of the Ananta Aspen Centre, and a Member of the Governing Board of the Lee Kuan Yew School of Public Policy, Singapore.

पद्म श्री

डॉ. सुब्रमण्यम् जयशंकर



डॉ. सुब्रमण्यम् जयशंकर भारतीय विदेश सेवा के एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं। आप भारतीय कूटनीति में अपनी अग्रणी भूमिका के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। इस समय आप ग्लोबल कॉरपोरेट अफेयर्स, टाटा सन्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष हैं। आप हाल ही में भारतीय राजनयिक के रूप में चार दशक से अधिक समय तक कार्य करने के बाद सेवा-निवृत्त हुए हैं, इसमें तीन वर्ष का कार्य-काल विदेश सचिव के रूप में कार्य करने का है। इस अवधि के दौरान भारतीय विदेश सेवा में आपकी देख-रेख के अन्तर्गत कई ऐसी पहलें हुईं जिनसे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। आपने समसामयिकता के अनुरूप मुख्य द्विपक्षीय संबंधों के सुदृढ़ीकरण और विदेश नीति की वैचारिक संकल्पना में अपना व्यक्तिगत योगदान किया है।

2. आपका जन्म 9 जनवरी, 1955 को हुआ। आपने वर्ष 1973 में सेंट स्टीफन्स कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.एस.सी की डिग्री प्राप्त की। उसके बाद आपने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से एम.ए., एम.फिल. और पीएचडी की। आपने वर्ष 1977 में भारतीय विदेश सेवा में कार्य-भार ग्रहण किया।

3. आपने मॉस्को, वाशिंगटन डी सी, कोलम्बो, बुडापेस्ट, टोक्यो, प्राग, सिंगापुर और बीजिंग के भारतीय मिशनों और विदेश मंत्रालय तथा राष्ट्रपति सचिवालय में भी कार्य किया है। आप चेक गणराज्य, चीन और संयुक्त राज्य में राजदूत और सिंगापुर में उच्चायुक्त के रूप मे कार्य किया है।

4. संयुक्त राज्य के साथ भारत के संबंधों को बढ़ाने में आपका सहयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आप कार्यनीति, सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा, उच्च प्रौद्योगिकी, कारोबार और नागर विमानन के क्षेत्र में की गई पहलों में घनिष्ठ रूप से शामिल रहे हैं। यू एस कांग्रेस और भारतीय प्रवासियों के बीच एक सशक्त नेटवर्किंग के निर्माण में आपके सहयोग की भरपूर सराहना हुई है।

5. आपने चीन में भारत के राजदूत के रूप में काफी लम्बे समय तक कार्य किया है। उस पद पर और बाद में विदेश सचिव के रूप में, आप दोनों पड़ोसी देशों के मध्य समकालीन संबंधों की निर्माण प्रक्रिया के साक्षी रहे। आपकी सरकार की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और एस ए जी ए आर संबंधी नीतियों के कार्यान्वयन में भी उल्लेखनीय भूमिका रही है। हाल ही में जापान, रूस यूरोप और खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में आपकी भागीदारी की प्रशंसा की गई है।

6. आप संयुक्त राज्य के साथ असैन्य परमाणु सहयोग करार की सफलतापूर्वक संपन्न करने वाली भारतीय वार्ता टीम के नेता रहे हैं। इसी तरह आप जापान के साथ करार में भी आगे रहे। आपने परमाणु ऊर्जा अयोग और अंतरिक्ष आयोग के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

7. आप अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर लिखे गए लेखों के लिए सुप्रसिद्ध हैं। आप नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसाइटी के सदस्य हैं, अनंत एस्पन सेंटर के न्यासी हैं, और गवर्निंग बोर्ड ऑफ दिल्ली कुआन येव स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर के सदस्य भी हैं।